



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 716]
No. 716]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 2, 1998/कार्तिक 11, 1920
NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 2, 1998/KARTIKA 11, 1920

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 2 नवम्बर, 1998

स्टाम्प

का. आ. 948 (अ).— भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो भारतीय स्टेट बैंक, सैन्ट्रल ऑफिस, मुम्बई द्वारा जारी किए गए मात्र अठ्ठाारह हजार सात करोड़ रुपये के समग्र मूल्य के भारत पुनरुत्थान बांडों के रूप में वर्णित प्रोमिजरी नोटों के स्वरूप वाले बांडों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभार्य है।

[सं. 34/98-स्टाम्प-फा. सं. 14/21/98-बि. क.]

अभय त्रिपाठी, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 2nd November, 1998

STAMPS

S. O. 948 (E).— In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as Resurgent India Bonds aggregating to rupees eighteen thousand and seven crores only issued by State Bank of India, Central Office, Mumbai, are chargeable under the said Act.

[No. 34/98-STAMPS-F.No. 14/21/98-ST]

ABHAY TRIPATHI, Dy. Secy.

